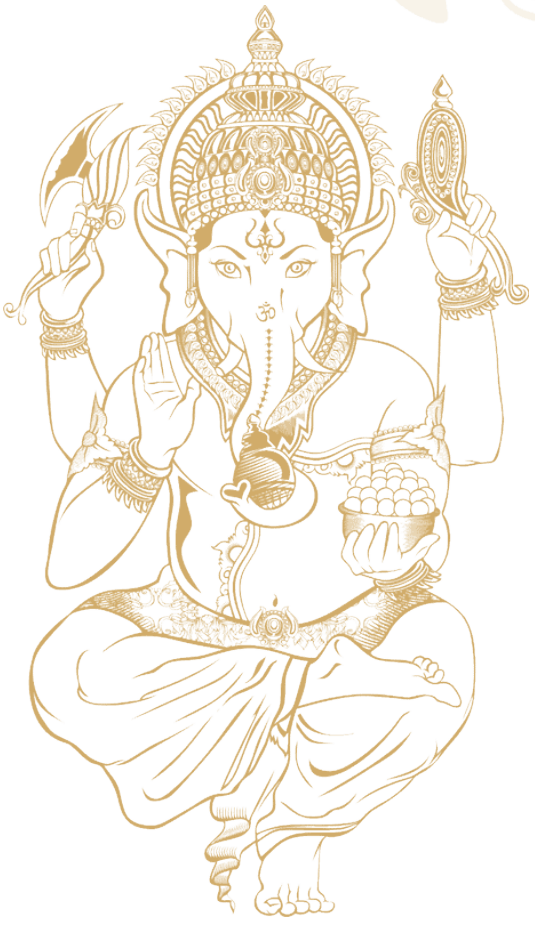

Mr. Pitamber dutt

13 Jul 1967

11:15 AM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 120986007

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/07/1967**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:15:58 घंटे**
इष्ट	14:20:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:54:50 घंटे
वेलान्तर	-00:05:33 घंटे
साम्पातिक काल	06:16:32 घंटे
सूर्योदय	05:31:45 घंटे
सूर्यास्त	19:21:29 घंटे
दिनमान	13:49:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	26:45:38 मिथुन
लग्न के अंश	10:14:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:14:26	317:59:06	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	26:45:38	00:57:14	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कन्या	08:02:04	14:07:08	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	03:31:48	00:26:19	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	मिथु	20:58:53	00:31:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	स्वराशि
गुरु			कर्क	16:20:52	00:12:48	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	09:48:25	00:42:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	18:56:24	00:01:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
राहु	व		मेष	10:10:47	00:02:05	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:10:47	00:02:05	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			सिंह	27:45:53	00:02:16	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		तुला	28:18:01	00:00:40	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	25:04:30	00:01:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			मिथु	10:23:30	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:04

लग्न-चलित

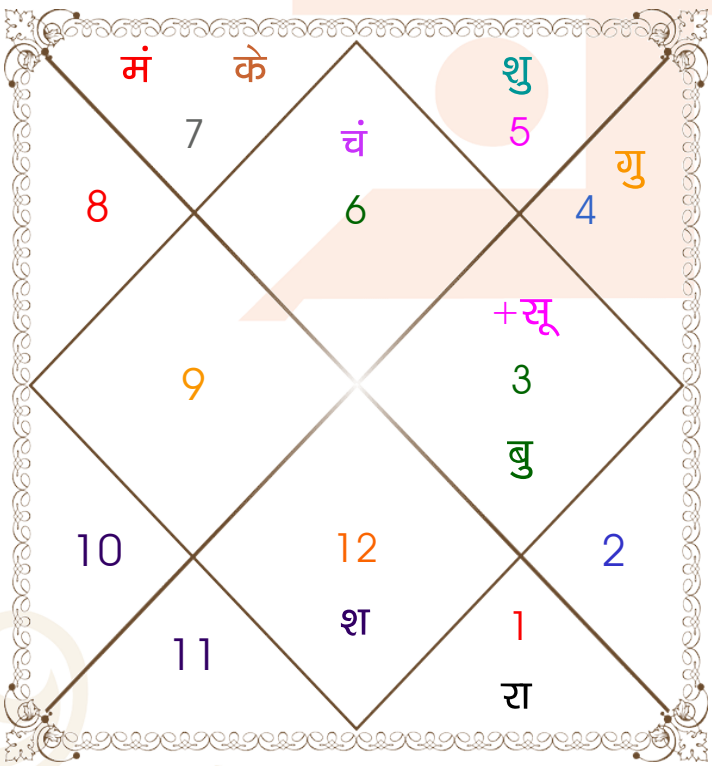

चन्द्र कुंडली

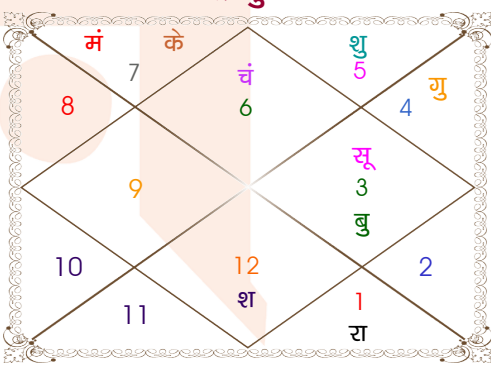

नवमांश कुंडली

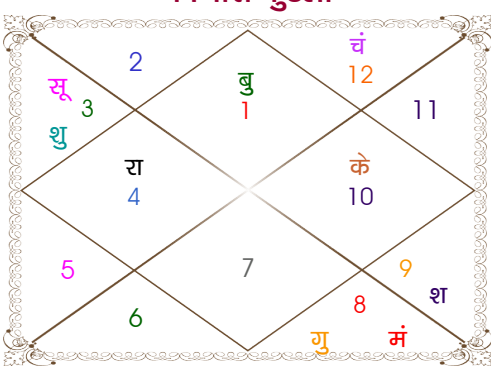

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 10 मास 18 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/07/1967		31/05/1968		01/06/1978		31/05/1985		01/06/2003	
31/05/1968		01/06/1978		31/05/1985		01/06/2003		01/06/2019	
00/00/0000	चंद्र	31/03/1969	मंगल	28/10/1978	राहु	11/02/1988	गुरु	19/07/2005	
00/00/0000	मंगल	30/10/1969	राहु	15/11/1979	गुरु	07/07/1990	शनि	30/01/2008	
00/00/0000	राहु	01/05/1971	गुरु	21/10/1980	शनि	13/05/1993	बुध	07/05/2010	
00/00/0000	गुरु	30/08/1972	शनि	30/11/1981	बुध	30/11/1995	केतु	13/04/2011	
00/00/0000	शनि	01/04/1974	बुध	27/11/1982	केतु	18/12/1996	शुक्र	12/12/2013	
00/00/0000	बुध	31/08/1975	केतु	25/04/1983	शुक्र	19/12/1999	सूर्य	30/09/2014	
00/00/0000	केतु	31/03/1976	शुक्र	24/06/1984	सूर्य	11/11/2000	चंद्र	30/01/2016	
13/07/1967	शुक्र	30/11/1977	सूर्य	30/10/1984	चंद्र	13/05/2002	मंगल	05/01/2017	
शुक्र 31/05/1968	सूर्य	01/06/1978	चंद्र	31/05/1985	मंगल	01/06/2003	राहु	01/06/2019	

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/06/2019		01/06/2038		01/06/2055		01/06/2062		01/06/2082	
01/06/2038		01/06/2055		01/06/2062		01/06/2082		13/07/2087	
शनि	04/06/2022	बुध	27/10/2040	केतु	28/10/2055	शुक्र	30/09/2065	सूर्य	18/09/2082
बुध	11/02/2025	केतु	24/10/2041	शुक्र	27/12/2056	सूर्य	30/09/2066	चंद्र	20/03/2083
केतु	23/03/2026	शुक्र	24/08/2044	सूर्य	04/05/2057	चंद्र	31/05/2068	मंगल	26/07/2083
शुक्र	22/05/2029	सूर्य	01/07/2045	चंद्र	03/12/2057	मंगल	31/07/2069	राहु	18/06/2084
सूर्य	04/05/2030	चंद्र	30/11/2046	मंगल	01/05/2058	राहु	31/07/2072	गुरु	06/04/2085
चंद्र	03/12/2031	मंगल	27/11/2047	राहु	20/05/2059	गुरु	01/04/2075	शनि	19/03/2086
मंगल	11/01/2033	राहु	16/06/2050	गुरु	25/04/2060	शनि	01/06/2078	बुध	24/01/2087
राहु	18/11/2035	गुरु	21/09/2052	शनि	03/06/2061	बुध	31/03/2081	केतु	01/06/2087
गुरु	01/06/2038	शनि	01/06/2055	बुध	01/06/2062	केतु	01/06/2082	शुक्र	13/07/2087

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।